वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम०वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) और (ख) जी, हां। वर्ष 1992-93,1993-94 और 1994-95 के दौरान विभिन्न देशों/संस्थाओं से सरकारी और गैर-सरकारी खाते के संबंध में प्राप्त विदेशी सहायता क्रमशः 11022 करोड़ रुपये, 11781 करोड़ रुपय और 10476 करोड़ रुपये (अनन्तिम) थी ।

(ग) और (घ) मूलधन की वापसी अदायगी और ब्याज के भुगतान की राशि वर्ष 1992-93 में क्रमशः 4788 करोड़ रुपये और 3961 करोड़ रुपये, वर्ष 1993-94 में क्रमशः 5353 करोड़ रुपये और 4199 करोड़ रुपये और वर्ष 1994-95 के दौरान क्रमशः 5841 करोड़ रुपये (अनन्तिम) और 4386 करोड़ रुपये (अनन्तिम) थी ।

(ङ) वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1995-96 के दौरान सरकारी और गैर-सरकारी खाते के संबंध में विदेशी ऋण की बकाया राशि क्रमशः 127376 करोड़ रूपये, 135501 करोड़ रूपये और 150798 करोड़ रूपये (अनन्तिम) थी ।

(च) और (छ) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्राप्त विदेशी सहायता की राशि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, सिंचाई, ऊर्जा, उद्योग, आधार-भूत संरचना सामाजिक और शहरी विकास आदि में निवेश की गई है । इन क्षेत्रों में निवेश की गई राशि विदेशी सहायता पुस्तिका में प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है जिसकी प्रतियां सदन के पुस्तकालय में रखी हुई हैं ।

Total tax collections

6035. SHRI CHIMANBHAI MEHTA;

SHRI ANANTRAY DEV-SHANKER DAVE:

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY;

SHRI G. G. SWELL;

SHRI P. UPENDRA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during the last seven years the total tax collection of Central Government has almost doubled;

(b) whether it is a fact that during the period the GDP has more than doubled;

(c) whether it is a fact that during last two years the average tax rate has gone down and yet the tax re venue has gone up: and

(d) whether it is because of better compliance due to lower taxation; and

(e) whether it is a fact that one of the most important reason for growth in industrial production is reduction in the rate of taxation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE {SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY):(,a) to (c) Yes, Sir,-

(d) The increase in tax collection is due to better compliance among other reasons;

(e) Several factors, including reduction in rates of taxation and rationalisation of tax laws, have facilitated growth in industrial production.